प्रश्न उत्तर
(बलवान कौन)

मौखिक

1) श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास -

प्राणी, मायूस, बलवान, चींटी, मस्त, वादा, चिड़िया, अहंकारी, घोंसला

2) कम-से-कम शब्दों में उत्तर लिखिए

क) पेड़ के ऊपर क्या था?
उ) पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।

ख) घोंसले में कितने अंडे थे?
उ) घोंसले में दो अंडे थे।

ग) पेड़ को ज़ोर से हिलाने पर क्या हुआ?

उ॰ पेड़ को ज़ोर से हिलाने पर चिड़िया का घोंसला गिर गया और अंडे टूट गए।

घ) चींटी ने चिड़िया से क्या वादा किया?

उ॰ चींटी ने चिड़िया से यह वादा किया कि वह हाथी को ज़रूर मज़ा चखाएगी।

लिखित

1) सही वाक्य पर (✓) का और ग़लत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए-

क) चींटी ने हाथी को बहुत समझाया। (✓)

ख) हाथी ने चींटी का मज़ाक उड़ाया। (✓)

ग) चिड़िया के अंडे टूटे नहीं थे। (x)

घ) चींटी ने हाथी से बदला लिया। (✓)

2) निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए-

क) संसार में हर बड़ा प्राणी अपने आपको बलवान समझता है।

ख) पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।

ग) मायूस चिड़िया पेड़ की डाल पर बैठ कर रोने लगी।

घ) चींटी ने हाथी को सबक सिखाया।

(3) जोड़े बनाइए -

क) उ→ पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।

ख) उ→ चींटी ने चिड़िया से रोने का कारण पूछा।

ग) उ→ हाथी बेचारा दर्द से कांप उठा।

घ) उ→ विशाल प्राणी होने से प्राणी बलवान नही होता है।

(4) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर लिखिए -

क) हाथी अपने शरीर को किससे रगड़ रहा था?
उ→ हाथी अपने शरीर को एक पेड़ के तने से रगड़ रहा था।

ख) घोंसले में क्या रखा था?
उ→ घोंसले मे चिड़िया के दो अंडे रखे थे।

ग) चिड़िया क्यों रोने लगी?

उ→ अंडे टूटने से चिड़िया मायूस होकर रोने लगी।

घ) हाथी ने ~~चींटी~~ किसका मज़ाक उड़ाया?

उ→ हाथी ने चींटी का मज़ाक उड़ाया।

(5) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

क) चींटी ने हाथी से कैसे बदला लिया?

उ→ हाथी ने चींटी का मज़ाक उड़ाया था। यह चींटी को अच्छा नहीं लगा। चींटी चिड़िया से भी वादा किया था कि हाथी को सबक सिखाएगा। मन ही मन हाथी को सबक सिखाने की ठानी। चींटी पास ही एक झाड़ी में छीप गई और मौका देखने ही चुपके से हाथी की सूंड में घुस गई। फिर उसने हाथी को काटना शुरु कर दिया।

हाथी परेशान हो गया। उसने सूंड को ज़ोर, ज़ोर से हिलाया, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। हाथी दर्द से कराहने और रोने लगा।

यह देख चींटी ने कहा कि हाथी भइया, आप दूसरे को परेशान करते हो; तो बड़ा मज़ा लेते हो, तो अब खुद क्यों परेशान हो रहे हो?

हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसने चींटी से माफ़ी मांगी कि आगे से वो कभी किसी को नहीं सताएगा। चींटी को उसपर दया आ गई। वो बाहर आकर बोली की कभी किसी को छोटा ~~समझ~~ और कमज़ोर ~~समझ~~ नहीं समझना चाहिए। यह सुन हाथी बोला कि मुझे सबक मिल ~~गया~~ चुका है। मुझे अच्छी सीख दी तुमने। अब हम सब मिलकर रहेंगे और कोई किसी को परेशान नहीं करेगा। इस तरह चींटी ने हाथी से बदला लिया।

ख) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

उ. अहंकारी हाथी से डरकर सामना न करना चिड़िया की भूल थी। जबकि चींटी ने समझदारी का परिचय दिया। साधारण रूप में कह सकते हैं कि आकार में बड़ा होने से ही कोई बलवान नहीं हो जाता। अच्छे कर्म ही प्राणी को बड़ा बनाते हैं। चींटी का चिड़िया से सहानुभूति दिखाना व उसके लिए हाथी को सबक सिखाना उसकी सहृदयता को दर्शाता है। जो हमें अच्छे कर्म करने की ~~प्रेरणा~~ प्रेरणा देता है।

घमंडी का सिर सदा नीचे होता है। कभी किसी को कमज़ोर और छोटा न समझो। दूसरों के दर्द व तकलीफ़ को समझना ही जीने का सही तरीका है।

भाषा ज्ञान

1) पढ़िए और समझिए - (वचन बदलना)

*) ~~चींटी - चींटियाँ~~
*) ~~चिड़िया - चिड़ियाँ~~
*) लड़की - लड़कियाँ
*) तितली - तितलियाँ
*) अंडा - अंडे
*) घोंसला - घोंसले
*) बच्चा - बच्चे
*) तोता - तोते

(2) क) चींटी जाती है।
उ→ चींटियाँ जाती है।
ख) घोंसले में अंडे है।
उ→ घोंसले में अंडा है।